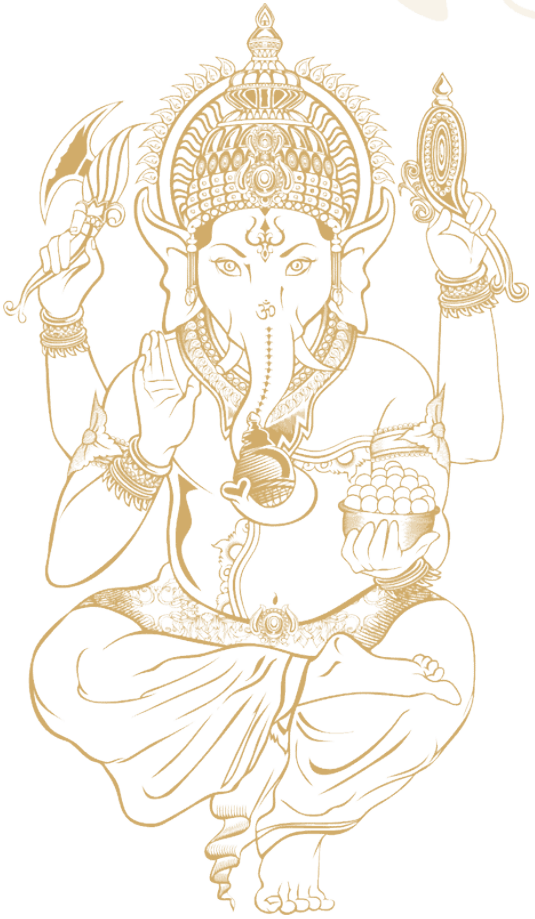

Akshay. Dadhich

23 Dec 1993

07:15 PM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121553207

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**23/12/1993**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**19:15:00 घंटे**
इष्ट	29:42:32 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:37:32 घंटे
वेलान्तर	00:00:57 घंटे
साम्पातिक काल	00:45:58 घंटे
सूर्योदय	07:21:59 घंटे
सूर्यास्त	17:51:12 घंटे
दिनमान	10:29:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	07:58:34 धनु
लग्न के अंश	27:23:22 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शिव
करण	गर
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चे-चेतना
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	27:23:22	312:40:36	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			धनु	07:58:34	01:01:06	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	06:33:24	11:52:53	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
मंगल		अ	धनु	08:54:00	00:45:20	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	मित्र राशि
बुध			धनु	01:35:09	01:33:41	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
गुरु			तुला	14:37:26	00:10:05	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	02:06:44	01:15:30	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
शनि			कुंभ	02:27:19	00:05:12	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	मूलत्रिकोण
राहु			वृश्चि	08:59:58	00:01:47	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			वृष	08:59:58	00:01:47	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
हर्ष			धनु	27:18:58	00:03:24	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
नेप			धनु	26:22:18	00:02:11	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	03:01:08	00:02:04	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			मीन	18:43:11	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:38

लग्न-चलित

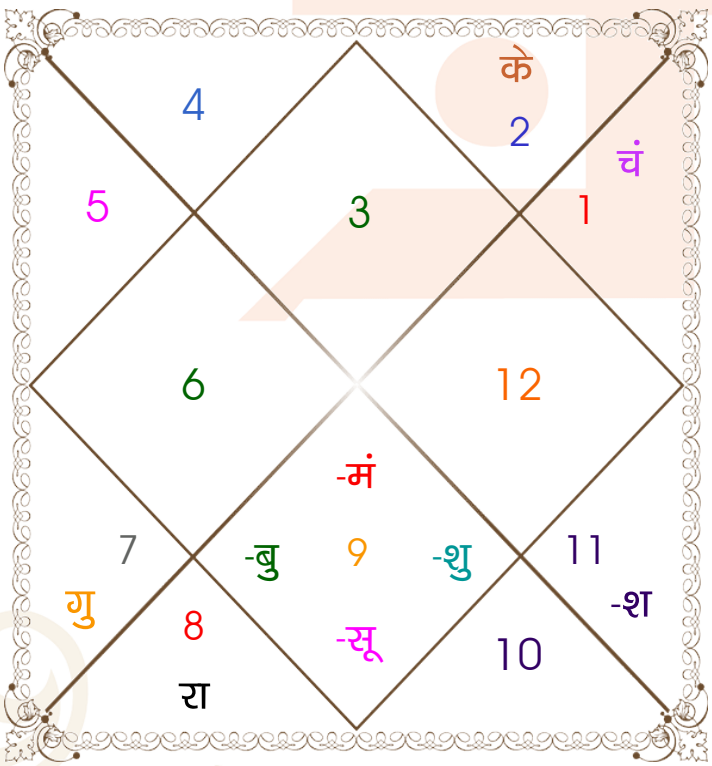

चन्द्र कुंडली

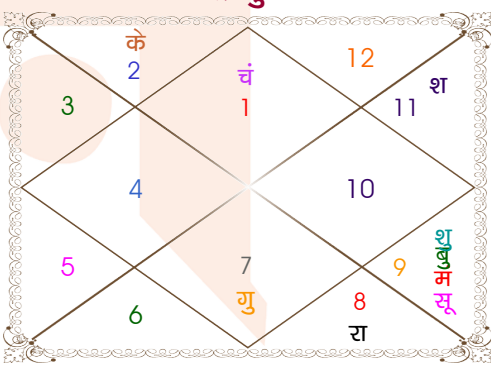

नवमांश कुंडली

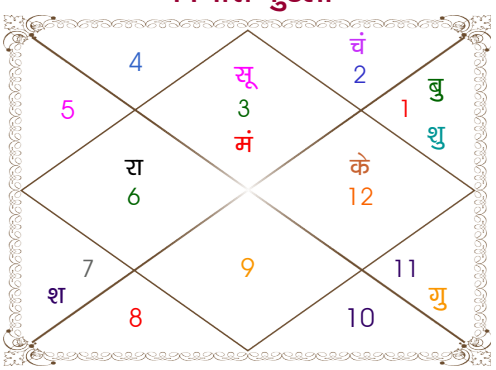

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 6 मास 21 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
23/12/1993		15/07/1997		15/07/2017		15/07/2023		15/07/2033	
15/07/1997		15/07/2017		15/07/2023		15/07/2033		14/07/2040	
	00/00/0000	शुक्र	13/11/2000	सूर्य	01/11/2017	चंद्र	15/05/2024	मंगल	11/12/2033
	00/00/0000	सूर्य	13/11/2001	चंद्र	03/05/2018	मंगल	14/12/2024	राहु	29/12/2034
	00/00/0000	चंद्र	15/07/2003	मंगल	08/09/2018	राहु	15/06/2026	गुरु	05/12/2035
	00/00/0000	मंगल	13/09/2004	राहु	03/08/2019	गुरु	15/10/2027	शनि	13/01/2037
	23/12/1993	राहु	14/09/2007	गुरु	21/05/2020	शनि	15/05/2029	बुध	10/01/2038
राहु	03/07/1994	गुरु	15/05/2010	शनि	03/05/2021	बुध	14/10/2030	केतु	08/06/2038
गुरु	09/06/1995	शनि	15/07/2013	बुध	09/03/2022	केतु	15/05/2031	शुक्र	09/08/2039
शनि	18/07/1996	बुध	15/05/2016	केतु	15/07/2022	शुक्र	13/01/2033	सूर्य	14/12/2039
बुध	15/07/1997	केतु	15/07/2017	शुक्र	15/07/2023	सूर्य	15/07/2033	चंद्र	14/07/2040

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
14/07/2040		15/07/2058		15/07/2074		15/07/2093		16/07/2110	
15/07/2058		15/07/2074		15/07/2093		16/07/2110		00/00/0000	
राहु	28/03/2043	गुरु	01/09/2060	शनि	18/07/2077	बुध	11/12/2095	केतु	12/12/2110
गुरु	20/08/2045	शनि	15/03/2063	बुध	27/03/2080	केतु	08/12/2096	शुक्र	11/02/2112
शनि	26/06/2048	बुध	20/06/2065	केतु	06/05/2081	शुक्र	08/10/2099	सूर्य	18/06/2112
बुध	14/01/2051	केतु	27/05/2066	शुक्र	05/07/2084	सूर्य	15/08/2100	चंद्र	17/01/2113
केतु	01/02/2052	शुक्र	25/01/2069	सूर्य	17/06/2085	चंद्र	14/01/2102	मंगल	15/06/2113
शुक्र	01/02/2055	सूर्य	13/11/2069	चंद्र	17/01/2087	मंगल	12/01/2103	राहु	24/12/2113
सूर्य	27/12/2055	चंद्र	15/03/2071	मंगल	25/02/2088	राहु	31/07/2105		00/00/0000
चंद्र	26/06/2057	मंगल	19/02/2072	राहु	01/01/2091	गुरु	06/11/2107		00/00/0000
मंगल	15/07/2058	राहु	15/07/2074	गुरु	15/07/2093	शनि	16/07/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 6 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली महिला हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगी। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकती हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली महिला होंगी।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाती है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाली नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करती। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करती हैं। आप कुशग्र बुद्धि की चालाक महिला हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगी।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगी। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकती हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगी वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगी।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकती हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि की प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकती हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबी, दुबली आकृति की, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध महिला हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित पुरुषों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगी।

आप ऐसा नही चाहेंगी कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपने पति एवं संतान को प्यार करती हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहती हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहती हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।